Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)
Senior School Certificate Examination - 2020

HMJ/1

Marking Scheme – ECONOMICS
SUBJECT CODE: 030 PAPER CODE –58/2/1

General Instructions: -

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully.**Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**

2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**

3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.

4. Evaluators will mark(√) wherever answer is correct. For wrong answer 'X"be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**

5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.

6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.

7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.

9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.

10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).

11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-

- Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
- Giving more marks for an answer than assigned to it.
- Wrong totaling of marks awarded on a reply.
- Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
- Wrong question wise totaling on the title page.
  Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
- Wrong grand total.
- Marks in words and figures not tallying.
- Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
- Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
- Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.

12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0)Marks.

13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.

14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.

15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

    The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.

क्र.सं.	आपेक्षिक उत्तर **खण्ड क समष्टि अर्थशास्त्र**	अंक
1	**प्रश्न**: यदि किसी अर्थव्यवस्था की सम्पूर्ण अतिरिक्त आय का उपभोग किया जाता है, तो निवेश गुणक का मूल्य ____होगा। (सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) शून्य (0) (B) अपरिभाषित (∞) (C) एक (1) (D) दस (10) **उत्तर**: अपरिभाषित (∞)	**1**
2	**प्रश्न**: एक गृहस्थ द्वारा क्रय की गई कार एक_____है। (सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) एकल उपयोग पूँजीगत वस्तु (B) एकल उपयोग उपभोक्ता वस्तु (C) टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु (D) अर्ध-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु **उत्तर :** (C) टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु **अथवा** **प्रश्न**:निम्नलिखित में से कौन-सा सूत्र सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) अवस्फीतिक को दर्शाता है ? (सही विकल्प का चयन किजिए) (A) मौद्रिक GNP/वास्तविक GNP x 100 (B) वास्तविक GNP /मौद्रिक GNP x 100 (C) वास्तविक GNP/मुद्रास्फीति की दर में परिवर्तन x 100 (D) मुद्रास्फीति की दर में परिवर्तन/वास्तविक GNPx100 **उत्तर** :(A) मौद्रिक GNP / वास्तविक GNP ×100	1 1
3	**प्रश्न:** एक बंद अर्थव्यवस्था में समग्र माँग के दो घटकों के नाम लिखिए । **उत्तर:** (i) उपभोग व्यय (C) (ii) निवेश व्यय (I)	½ + ½
4	**प्रश्न:**_____भारत सरकार का एजेंट (प्रतिनिधि) तथा सलाहकार होता है । (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए) **उत्तर :** भारतीय रिजर्व बैंक	1
5	**प्रश्न**: उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य : "मुद्रास्फीति को कम करने के लिए, केन्द्रीय बैंक को नक़द आरक्षित अनुपात (CRR) को कम करना चाहिए।" **उत्तर:** असत्य	1
6	**प्रश्न**:. रक्षा मदों पर होने वाला सरकारी व्यय, सरकारी बजट का _____ व्यय का एक प्रकार है।(सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए) **उत्तर :** राजस्व / पूंजीगत (**दोनों उत्तर सही हैं, अतःदोनों में से किसी भी उत्तर पर अंक दिए जायें**	1
7	**प्रश्न**: उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य : "प्रबंधित तिरती विनिमय दर प्रणाली में सरकार प्रत्यक्ष रूप से विनिमय दर को नियंत्रित करती है।" **उत्तर:** असत्य	1
8	**प्रश्न**: 'विदेशों से प्राप्त दान' भुगतान संतुलन खाते के_____(जमा/नामे) पक्ष में दर्ज किया जाएगा। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए) **उत्तर :** जमा	1
9	**प्रश्न:** गैर-कर आगम (राजस्व) प्राप्तियों के कोई दो उदाहरण दीजिए। **उत्तर**: फीस, जुर्माना (**अन्य किसी** मान्य **उदाहरण को भी अंक** प्रदान कियें जायें)	½ + ½
10	**प्रश्न:**मान लीजिए कि एक काल्पनिक अर्थव्यवस्था में, आय की राशि 500 करोड़ से बढ़ कर ₹ 600 करोड़ हो जाती है । परिणामतः, उपभोग व्यय ₹ 400 करोड़ से बढ़ कर ₹ 500 करोड़ हो जाता है । इस परिस्थिति में सीमांत उपभोग प्रवृत्ति का मान होगा। (A) 0.8 (B) 0.4 (C) 1.0 (D) 06 उत्तर : (C) 1.0	1
11	**प्रश्न:** "सकल घरेलू उत्पाद (GDP) किसी देश की अर्थव्यवस्था के आर्थिक कल्याण का सर्वोत्तम सूचक नहीं है ।" दिए गए कथन का मान्य कारणों सहित समर्थन अथवा खंडन कीजिए। **उत्तर :** दिए गए कथन का निम्नलिखित आधार पर समर्थन किया जा सकता है क्योंकि जीडीपी में निम्न को शामिल नहीं किया जा सकता (i) गैर मौद्रिक विनिमय जैसे गृहिणी की सेवाएं (ii) बाह्यताएँ - फर्म अथवा मानव गतिविधियों के फलस्वरूप होने वाला लाभ अथवा हानि। (iii) आय का वितरण (मान्य व्याख्या सहित) **(कारण न दिया गया हो अथवा** कारण गलत हो **तो अंक** प्रदान ना कियें जायें**)**	1 1 1
12	**प्रश्न:** यदि समग्र आपूर्ति (AS) की तुलना में समग्र माँग (AD) अधिक हो, तो उस परिस्थिति में समायोजन तंत्र की कार्यप्रणाली की चर्चा कीजिए । **उत्तर :** यदि प्रत्याशित समग्र मांग (AD), प्रत्याशित समग्र पूर्ति (AS) से अधिक है तो इसका अर्थ है कि उत्पादक जितने उत्पादन की योजना बना रहे हैं, क्रेता उससे अधिक खरीदने की योजना बना रहे हैं। अतः उत्पादकों के पास उपलब्ध स्टॉक वांछनीय स्तर से कम हो जाएंगे। परिणाम स्वरूप उत्पादक अधिक उत्पादन करेंगे जिससे रोजगार के स्तर एवं आय में वृद्धि होगी। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रत्याशित समग्र पूर्ति (AS), प्रत्याशित समग्र मांग (AD) के बराबर ना हो जाए। **(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)**	3

	अथवा **प्रश्न** यदि एक अर्थव्यवस्था में : प्रारंभिक निवेश में परिवर्तन (ΔI) = ₹1,000 करोड़ तथा सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) = 0.2 निम्नलिखित के मूल्य ज्ञात कीजिए : (a) निवेश गुणक (K) (b) अंतिम आय में परिवर्तन (ΔY) उत्तर: **(a)** निवेश गुणक (K) = $\frac{1}{MPS}$ K= $\frac{1}{0.2}$ K = 5 .....*(i)* (b) निवेश गुणक (K) = $\frac{\Delta Y}{\Delta I}$ K= 5 का (i) से मान रखने पर 5 = $\frac{\Delta Y}{1000}$ **Δ** Y = ₹ 5000 करोड़	½ ½ ½ ½ ½ ½
13	प्रश्न: बैंकिंग प्रणाली की साख निर्माण क्षमता का निर्धारण करने में साख गुणक की क्या भूमिका है ? संख्यात्मक उदाहरण द्वारा समझाइए । **उत्तर :** साख गुणक उस मुद्रा की उस राशि को मापता है, जो बैंक अपने पास रखे हुए प्रारंभिक जमा की प्रत्येक मौद्रिक इकाई से जमाओ के रूप में सृजित करने में समर्थ होते हैं। बैंकिंग प्रणाली द्वारा किया गया साख सृजन, साख गुणक पर निर्भर करता है। साख गुणक का वैधानिक रिज़र्व अनुपात (LRR) के साथ विपरीत संबंध होता है। साख गुणक का मूल्य अधिक होता है तो साख सृजन भी अधिक होता है, विलोम सत्य। उदाहरण के किये, मान लीजिये: LRR= 0.5 और प्रारंभिक जमा = ₹1000 साख गुणक = $\frac{1}{\text{LRR}} = \frac{1}{0.5}$ =2 कुल साख सृजन = साख गुणक x प्रारंभिक जमा = 2×1000 = ₹2000 अब, मान लीजिये: यदि LRR=0.2 और प्रारंभिक जमा =₹1000 साख गुणक = $\frac{1}{\text{LRR}} = \frac{1}{0.2}$ = 5 कुल साख सृजन = = साख गुणक x प्रारंभिक जमा = 5×1000 = ₹5000 अतः प्रारंभिक जमा के लिए स्थिर रहने से भी साख गुणक के मान को बढ़ाने से साख सृजन बढ़ता है। **(अन्य कोई प्रासंगिक उदाहरण)** **अथवा** **प्रश्न**: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा, साख नियंत्रण में रखने के लिए उपयोग किए जाने वाले किन्हीं दो साधनों की विस्तार से विवेचना कीजिए । **उत्तर :** साख नियंत्रण के दो उपकरण निम्न है- i. **रेपो दर** - यह वह ब्याज की दर है जिस पर केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालीन ऋण प्रदान करता है। रेपो दर के बढ़ने से वाणिज्यिक बैंक अपने ऋण की दर को बढ़ाने के लिए मजबूर होते हैं। जिससे सामान्य जनता के लिए ऋण लेना महंगा हो जाता है, विलोम सत्य। ii. **खुले बाजार की क्रियाएं** - इससे अभिप्राय, केंद्रीय बैंक द्वारा सरकार की प्रतिभूतियों के खुले बाजार में क्रय तथा विक्रय से है। जब केंद्रीय बैंक सरकारी प्रतिभूतियों को बेचता है तो इससे वाणिज्यिक बैंकों की साख क्षमता कम होती है। तथा बैंक की साख सृजन शक्ति को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है, विलोम सत्य। **(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये**)**	½ 1 ½ 2 2 2
14	**प्रश्न:** "पिछले एक माह में अमेरिकी डॉलर (US $) में 0.75 पैसे प्रति डॉलर (p/$) की उछाल दर्ज हुई है; यह परिस्थिति अलग-अलग प्रकार के व्यापारियों (निर्यातकों तथा आयातकों) के लिए मुस्कुराहट या उदासी ला सकती है ।" दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए। **उत्तर:** दी गई परिस्थिति घरेलू मुद्रा(₹) में विदेशी मुद्रा($) की अपेक्षा मूल्यह्रास दर्शाती है। इसका अर्थ है कि अब विदेशी मुद्रा($) की एक इकाई खरीदने के लिए घरेलू मुद्रा(₹) की अधिक इकाइयां देनी पड़ेगी। इससे आयातकों के लिए उदासी हो सकती है क्योंकि उन्हें अब अपने आयात के लिए अधिक धनराशि देनी पड़ेगी। इसके विपरीत, इससे निर्यातकों के लिए मुस्कुराहट आ सकती है क्योंकि उन्हें अब अपने निर्यात के लिए अधिक धनराशि की प्राप्ति होगी।	**1** **1 ½** **1 ½**
15	**प्रश्न:** "एक देश के सरकारी बजट में राजस्व घाटे के अस्तित्व के बिना राजकोषीय घाटा नहीं हो सकता ।" दिए गए कथन का समर्थन अथवा खंडन कीजिए । **उत्तर:** दिए गए कथन का खंडन किया जा सकता है क्योंकि राजस्व घाटे के अस्तित्व के बिना भी राजकोषीय घाटा हो सकता है यदि, (i) संतुलित राजस्व बजट(RE=RR) की स्थिति में पूंजीगत बजट घाटे (CE>CR) में हो। (ii) पूंजीगत बजट में घाटा(CE>CR), बचत के राजस्व बजट(RR<RE) से अधिक हो।	2 2

16 **प्रश्न**:(a) "एक दो-क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में आय का वर्तुल प्रवाह इस स्वयंसिद्ध (axiom) पर आधारित है कि किसी एक का व्यय दूसरे की आय होती है।" मान्य तर्कों सहित अपने उत्तर का समर्थन कीजिए।

उत्तर: (a) दो क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में ग्रहस्थ क्षेत्र और फ़र्म का अस्तित्व ही अर्थव्यवस्था को चलाता है। ग्रहस्थ क्षेत्र फ़र्म को कारक सेवाएँ प्रदान करता है तथा परिणामस्वरूप कारक आय प्राप्त करता है जबकि फ़र्म वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करती है तथा इन्हे गृहस्थ क्षेत्र को बेचती है और समान आय सृजित करती है जितनी की ग्रहस्थ क्षेत्र ने अर्जित की थी। अतः आय का वर्तुल प्रवाह इस सिद्धहांत को सिद्ध करता है कि किसी एक का व्यय दूसरे कि आय होता है — 4

(एक साथ मूल्यांकित किया जाए)

(चित्र की आवश्यकता नहीं हैं

(अन्य किसी मान्य व्याख्या **को भी अंक** प्रदान कियें जायें)

प्रश्न: (b) उत्पादन के मूल्य' तथा 'मूल्य वृद्धि' में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: (b) उत्पादन का मूल्य सभी वस्तुओं और सेवाओं का अनुमानित मौद्रिक मूल्य होता है जिसमें स्टॉक में परिवर्तन तथा स्वयं उपभोग के लिए किया गया उत्पादन भी शामिल होता है। **जबकि;** — 1

मूल्य वृद्धि का अर्थ उत्पादन के मूल्य और मध्यवर्ती उपभोग के मूल्य के बीच अंतर से है — 1

अथवा

प्रश्न: एक काल्पनिक अर्थव्यवस्था के निम्नलिखित आँकड़ों के उपयोग से, दिए गए वर्षों के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की गणना व तुलना कीजिए :

वर्ष	2015-16	2016-17
मौद्रिक GDP दर	8.4%	9%
GDP अवस्फीतिक	140	125

उत्तर - GDP अवस्फीतिक = $\frac{\text{मौद्रिक } GDP}{\text{वास्तविक } GDP} \; x \; 100$ — 2

वर्ष	2014-15	2015-16	2016-17
मौद्रिक GDP	10,000 (माना)	10,840	11,815
वास्तविक GDP =	10,000 (माना)	7, 742 (लगभग)	9, 452 (लगभग)

4

(शिक्षार्थी द्वारा दिए गए किसी **अन्य उत्तर को भी अंक किया जाय)**

17 **प्रश्न:** दिए गए चित्र में, "KT" अंतराल क्या प्रदर्शित करता है ? इस परिस्थिति के समाधान के लिए किन्हीं दो राजकोषीय उपायों का उल्लेख व चर्चा कीजिए।

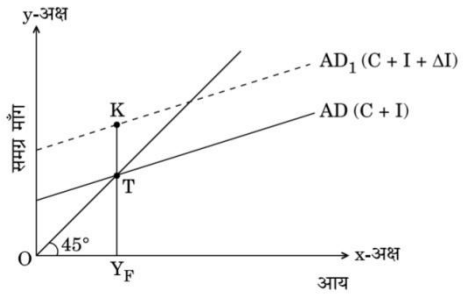

उत्तर "KT" स्फीतिक अंतराल को प्रदर्शित करता है। — 1

स्फीति अंतराल को नियंत्रण करने के लिए दो राजकोषीय उपाय है -

i. करों **में वृद्धि** - स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार करों में वृद्धि करती है। यह जनता की क्रय शक्ति को कम करती है, जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग कम हो सकती है जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है। — 2 ½

ii. सरकारी व्यय में कमी - स्फीतिक अंतराल पर नियंत्रण करने के लिए सरकार अपने गैरविकासात्मक खर्चों में कमी करती है। यह जनता की क्रय शक्ति में कमी लाती है। जिसके कारण अर्थव्यवस्था में समग्र मांग की कमी होती है, जो इसे समग्र पूर्ति के बराबर लाती है। — 2 ½

दृष्टि*बाधित छात्रों*के लिए:

प्रश्न: अपस्फीतिक अंतराल से क्या तात्पर्य है ? अपस्फीतिक अंतराल की स्थिति को ठीक करने के किन्हीं दो राजकोषीय उपायों का उल्लेख व चर्चा कीजिए। — 1

उत्तर: अपस्फीतिक अंतराल ऐसी स्थिति है जिसमें समग्र मांग पूर्ण रोजगार संतुलन पर आवश्यक समग्र पूर्ति से कम होती है — 2 ½

अपस्फीतिक अंतराल को नियंत्रित करने के दो राजकोषीय उपाय निम्न है।

(i) करों **में** कमी

(ii) **सरकारी व्यय में वृद्धि** — 2 ½

(कोई अन्य मान्य उपाय – उचित व्याख्या सहित)

	खण्ड ख भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास	
18	**प्रश्न:** वर्ष____ में भारत सरकार ने 6 से 14 वर्ष के बीच सभी बच्चों के लिए शिक्षा नि:शुल्क तथा अनिवार्य कर दी थी। (सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) 2001 (B) 2009 (C) 2003 (D) 2007 **उत्तर:** (B) 2009 **अथवा** **प्रश्न:** निम्नलिखित में से कौन-सा संगठन भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र को नियंत्रित करता है ? (सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) ICMR (B) UGC (C) AICTE (D) RBI **उत्तर** : (A) ICMR	1 **1**
19	**प्रश्न:**उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य : "भूमि सीमा निर्धारण का अर्थ है किसी व्यक्ति के लिए भूमि-धारण की न्यूनतम सीमा निर्धारित करना है।" **उत्तर :** असत्य	**1**
20	**प्रश्न:** *कॉलम* I में दी गई संस्थाओं के कार्य के साथ मिलान करके *कॉलम II* में दिए गए विकल्पों के सही अनुक्रम की पहचान कीजिए : **कॉलम I** | **कॉलम II** a. विश्व व्यापार संगठन (WTO) | (i) भुगतान संतुलन की समस्या को हल करने के लिए अल्पकालीन ऋण प्रदान करता है. b. भारतीय रिज़र्व बैंक(RBI) | (ii) एक बहुपक्षीय व्यापार वार्ता निकाय है। c. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) | (iii) पुनर्निर्माण और विकास के लिए ऋण देने की सुविधा प्रदान करता है d. अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (IBRD) | (iv) भारत का केन्द्रीय बैंक है। (A) a-(ii),b-(i),c-(iii),d-(iv) (B) a-(ii),b-(iv),c-(iii),d-(i) (C) a-(ii),b-(iii),c-(iv),d-(i) (D) a-(ii),b-(iv),c-(i),d-(iii) **उत्तर - (D)** a-(ii),b-(iv),c-(i),d-(iii)	**1**
21	**प्रश्न** 21. माओ ने 'ग्रेट लीप फॉरवर्ड' की शुरुआत वर्ष _____में की थी। (सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) 1951 (B) 1955 (C) 1958 (D) 1962 **उत्तर** : **(C) 1958**	1
22	**प्रश्न** : भारत में ग्रामीण वित्तपोषण के लिए शीर्ष संस्था का नाम लिखिए। **उत्तर:** नाबार्ड/ NABARD	1
23	**प्रश्न:** भारत की प्रथम सात पंचवर्षीय योजनाओं में ____ नीति का अनुगमन घरेलू उद्योगों के संरक्षण के लिए किया गया था। **उत्तर :** आयात प्रतिस्थापन/ अंतर्मुखी व्यापार	1
24	**प्रश्न:** _____ऊर्जा के व्यावसायिक स्रोत का एक उदाहरण है। (सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) जलाऊ लकड़ी (B) कोयला (C) कृषि का कूड़ा-कचरा (D) सूखी गोबर के उपले **उत्तर:** (B) कोयला	1
25	**प्रश्न:** उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य "पाकिस्तान की तुलना में, भारत में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों का अनुपात अधिक है।" **उत्तर : सत्य**	1
26	**प्रश्न:** किसी एक महारत्न कम्पनी का नाम लिखिए। **उत्तर:** इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड अथवा स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (अन्य कोई प्रासंगिक उदाहरण)	1
27	**प्रश्न**:निम्नलिखित में से कौन-सा जैविक खेती का एक लाभ नही है ? (सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) सस्ते आगत (B) निवेश पर आकर्षक प्रतिफल (C) आयात की अधिक संभावनाएँ (D) उच्च पोषण मान **उत्तर:** (C) आयात की अधिक संभावनाएँ	1

28	**प्रश्न:** "भारत में बिजली (शक्ति) क्षेत्र को कई प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।" दिए गए कथन की मान्य तर्कों सहित चर्चा कीजिए। **उत्तर :** भारत में बिजली (शक्ति) क्षेत्र को निम्नलिखित प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ता है: (i) भारत की बिजली उत्पादन क्षमता पर्याप्त नहीं है। यहाँ तक कि स्थापित क्षमता का भी अल्प उपयोग होता है क्योंकि बिजली घर उचित तरीके से नहीं चल रहे हैं। (ii) राज्य विद्युत बोर्ड जो विद्युत वितरण करते हैं हानि में हैं इसका कारण संप्रेषण और वितरण का नुकसान तथा बिजली की अनुचित कीमतें हैं **(अन्य कोई प्रासंगिक बिंदु)** **अथवा** **प्रश्न:** "1964 - 66 के शिक्षा आयोग की सिफारिशों को लागू करने में भारत असफल रहा है।" दिए गए कथन के समर्थन में मान्य तर्क प्रस्तुत कीजिए। **उत्तर:** विगत वर्षों से भारत शैक्षिक मापदंडों को ऐच्छिक स्तर तक ले जाने में सफल नहीं हुआ। शिक्षा आयोग (1964- 66) ने सिफारिश की थी कि शैक्षिक उपलब्धियों की संवृद्धि दर में उल्लेखनीय सुधार लाने के लिए सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 6% शिक्षा पर खर्च किया जाना चाहिए किन्तु शिक्षा पर वर्तमान व्यय अपर्याप्त है अतः सरकार को इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने चाहिए। **(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये) **(एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**	1 ½ 1 ½ 3
29	**प्रश्न**: "भारत सरकार ने हाल ही में बढ़ती हुई हानियों के कारण MTNL तथा BSNL के विलय की घोषणा की है।" भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का औचित्य सिद्ध कीजिए। **उत्तर:** भारत सरकार ने हानियों के कारण एमटीएनएल तथा बीएसएनल का विलय निम्न उद्देश्यों के लिए किया- (i) आर्थिक तथा कार्यात्मक (व्यावहारिक) कार्यकुशलता की प्राप्ति। (ii) संभव हानियों में कमी। **(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये) **(एक साथ मूल्यांकन किया जाए)**	3
30	**प्रश्न** 30. संक्षेप में चर्चा कीजिए कि, किस प्रकार संस्थागत सुधारों (भूमि सुधारों) ने भारतीय कृषि को बदलने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। **उत्तर:** स्वतंत्रता के पश्चात भारत सरकार ने भारतीय कृषि में सुधार के लिए विभिन्न संस्थागत/ भूमि सुधारों को लागू किया जैसे - (i) भूमि की अधिकतम सीमा - इस सुधार कार्यक्रम ने कुछ हाथों में भूमि के स्वामित्व के केन्द्रीयकरण को कम करना सुनिश्चित किया। (ii) जमीदारी व्यवस्था का उन्मूलन - यह किसानों का शोषण को खत्म करने और कृषि उपज के प्रोत्साहन पर केंद्रित था। इन सुधारो ने कृषि को एक आजीविका के रूप में स्थिरता प्रदान की और समानता का बढ़ावा दिया। **(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये) **अथवा** **प्रश्न:** "विदेशी मुद्रा भंडार की बचत व आत्म-निर्भरता के दोहरे उद्देश्यों के साथ भारत में आयात प्रतिबंध लगाए गए थे।" मान्य तर्कों सहित दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए। **उत्तर :** यह कथन सही है क्योंकि इस नीति का उद्देश्य था - (i) आयात को घरेलू उत्पाद द्वारा प्रतिस्थापन करना क्योकि इससे घरेलू उद्योगों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से संरक्षण मिला। (ii) आयात की मात्रा पर प्रतिबंध से दुर्लभ विदेशी विनिमय की बचत हुई। इस प्रकार स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद इन दोहरे उद्देश्यों की सहायता से भारत आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की ओर अग्रसर हुआ **(अन्य** किसी **मान्य कारण/तर्क/व्याख्या**को भी अंकित किया जाये)	2 2 2 2 2
31	**प्रश्न:** स्वतंत्रता की पूर्व-संध्या पर भारत की व्यावसायिक संरचना की किन्हीं दो मुख्य विशेषताओं पर टिप्पणी कीजिए। **उत्तर** स्वतंत्रता पूर्व भारत की व्यावसायिक संरचना की दो प्रमुख विशेषताएं निम्न हैं- (i) **कृषि क्षेत्र का प्रभुत्व-** कुल कार्यबल का लगभग तीन चौथाई भाग प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर होने के कारण, कृषि क्षेत्र में कार्यबल का सबसे अधिक भाग कार्यरत था। (ii) **क्षेत्रीय विषमताओं में वृद्धि-** विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में वृद्धि के कारण कुछ निश्चित क्षेत्रों जैसे मद्रास,बम्बई और बंगाल आदि सूबों में कृषि क्षेत्र पर कार्यबल की निर्भरता में आनुपातिक कमी आई। **(या अन्य कोई उपयुक्त विशेषता)**	2 2
32	**प्रश्न** . मान्य कारणों द्वारा भारत व चीन के दिये गये आंकड़ों की तुलना व विश्लेषण करें : स्रोत : विश्व विकास संकेतक, 2015. **उत्तर:** (i) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि चीन ने 1970 के दशक में "एक शिशु नीति" जैसे कुछ सख्त उपायों की सहायता से अपनी जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर को नियंत्रित किया है। ये उपाय चीन के लिए जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में मददगार सिद्ध हुए। भारत की जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर जो 1.2% है, चीन जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 0.5% , से लगभग दुगनी है। (ii) दोनो देशों का सामाजिक ढांचा लगभग समान है। लड़को को प्राथमिकता देने के कारण दोनों ही देशों का लिंगानुपात कम तथा पक्षपातपूर्ण है। जहां भारत 929 महिला प्रति 1000 पुरुष पर खड़ा है वही चीन भी 941 महिला प्रति 1000 पुरुष के साथ बहुत दूर नही है।	2 2

राष्ट्र	जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015)	लिंगानुपात (प्रति हज़ार पुरुष)
भारत	1.2%	929
चीन	0.5%	941

33	33. निम्नलिखित को परिभाषित कीजिए : (A) पर्यावरण की धारण क्षमता (B) जैविक कंपोस्ट खाद (C) धारणीय विकास (D) पर्यावरण की अवशोषी क्षमता **उत्तर :** (A) **पर्यावरण की धारण क्षमता** - इसका अर्थ है कि संसाधनों का निष्कर्षण, इनके पुनर्जनन की दर से अधिक नहीं है और उत्पन्न अवशेष पर्यावरण की समावेशन क्षमता के भीतर हैं (B) **जैविक कंपोस्ट खाद** - एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें विभिन्न प्रकार के जैव अपशिष्टों को मूल्यवान प्राकृतिक खाद में परिवर्तित किया जाता है। (C) **धारणीय विकास** - ऐसा विकास जो वर्तमान पीढी की आवश्यकताओं को भावी पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति क्षमता से समझौता किए बिना, पूरा करें। (D) **पर्यावरण की अवशोषण क्षमता** - पर्यावरणीय क्षति पहुँचाये बिना, पर्यावरण की अपक्षय को सोखने की योग्यता से है। **(या अन्य कोई उचित परिभाषा)**	1 ½ 1 ½ 1 ½ 1 ½
34	**प्रश्न**: (a) भारत में श्रमबल के अनौपचारीकरण पर टिप्पणी कीजिए। (b) श्रमिक-जनसंख्या अनुपात की परिभाषा लिखिए। **उत्तर :** (a) विगत वर्षों में भारत के अनौपचारिक अथवा असंगठित क्षेत्र में कार्यबल का अनुपात तेजी से बढा है।देश में लगभग पूरा कृषि क्षेत्र तथा उद्योग और सेवा क्षेत्र का एक बहुत बड़ा भाग अनौपचारिक क्षेत्र में आता है। इस क्षेत्र में कार्यरत श्रमिक सामान्यता नियमित वेतन तथा अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभो से वंचित रहते हैं। श्रमबल का अनौपचारिकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें कार्यबल औपचारिक क्षेत्र से अनौपचारिक क्षेत्र की ओर स्थानांतरित होता है। **प्रश्न**: (b) श्रमिक जनसंख्या अनुपात का आशय कुल श्रमिकों की संख्या तथा कुल जनसंख्या के अनुपात से है सामान्यतया इसे प्रतिशत में दर्शाया जाता है। श्रमिक-जनसंख्या = $\frac{\text{कुल श्रमिकों की संख्या}}{\text{कुल जनसंख्या}}$ x 100 **अथवा** **प्रश्न :** भारत में स्वतंत्रता से अब तक कार्यान्वित किए गए ग़रीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के परिणामों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। **उत्तर :** स्वतंत्रता के पश्चात निर्धनता निवारण के लिए निर्धारित किए गए कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप निर्धनों की निरपेक्ष संख्या तथा उनके प्रतिशत में कमी आई है। कुछ राज्यों में यह अनुपात निर्धनता के राष्ट्रीय औसत से भी कम हो गया है। इन कार्यक्रमों के बावजूद भी देश में अभी भी निर्धनता, भुखमरी, कुपोषण, निरक्षरता और बुनियादी सुविधाओं का अभाव निरंतर बना हुआ है जिसके कारण निम्नलिखित हैं- 1.परिसंपत्तियों के स्वामित्व में कोई मौलिक परिवर्तन ना होना। 2.भूमि और अन्य परिसंपत्तियों के वितरण की विषमताओं के कारण प्रत्यक्ष निर्धनता निवारण कार्यक्रमों का लाभ प्राय गैर निर्धन वर्ग के लोग ही उठा पाए। 3. इन कार्यक्रमों के लिए आवंटित संसाधन नितांत ही अपर्याप्त रहे। 4. निर्धनता निवारण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायी अधिकारियों में उपयुक्त चेतना का अभाव तथा उनका अपर्याप्त प्रशिक्षण। अतः यह कहा जा सकता है की निर्धनता निर्वारण कार्यक्रम बहुत अच्छे कदम थे लेकिन सही तरह से क्रियान्वित न होने के कारण प्रत्याशित परिणाम प्राप्त न हो सके।	4 2 6